LOK SABHA

Tuesday, April 27, 1965/Vaisakha 7, 1887 (Saka)

The Lok Sabha mat at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Accidents in Capital

+

*1032. Shri Yashpal Singh:
Shri S. M. Banerjee:
Shri Rameshwar Tantia:
Shri Hukam Chand Kachhavaiya:
Shri Onkar Lal Berwa:
Shri P. C. Borooah:
Shri P. H. Bheel:
Shri Ram Harkh Yadav:
Shri Murli Manohar:

Will the Minister of **Transport** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that fatal and other road accidents are on the increase in the Capital;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) the steps Government propose to take in this regard?

The Minister of Civil Aviation (Shri Kanungo): (a) to (c). A statement giving the information required is laid on the Table of the Sabha. [*Placed in Library, see* No. LT-4285/65].

श्री यशपाल सिंह : क्या सरकार ने कभी इस बात पर गौर किया है कि स्लो स्पीड से गाड़ियां चलाने से बुद्धि कुंठित हो जाती है और जापान में सब से ज्यादा तेज़ गाड़ियां चलती हैं लेकिन फिर भी वहां सब से कम एक्सीडेंट होते हैं, इस वास्ते स्लो स्पीड के ऊपर चैक किया जाए । हाई स्पीड के ऊपर शांति के दिनों में ही चैक लगता है और ग्राज कल तो युद्ध के दिन हैं, इस वास्ते लोगों के दिमाग ठीक हों और एक्सीडेंट न हों, इस वास्ते स्लो स्पीड के ऊपर चैक लगाने पर सरकार ने क्या गौर किया है ?

श्री कानूनगो : जो लोग ट्रैफिक के मामलों को समझते हैं, जो इंजीनियर्ज हैं या ट्रैफिक एक्सपर्टस हैं, वे सोच रहे हैं कि क्या करना है ।

अध्यक्ष महोदय : यहां तो बैल गाड़ियों ने भी चलना है, खोता गाड़ियों ने भी चलना है, और हाथ गाड़ियां भी चलती हैं ।

श्री यशपाल सिंह : क्या सरकार ने इस बात पर भी गौर किया है कि मुरम्मत होते होते साल साल भर लग जाता है और इस कारण से भी बहुत से एक्सीडेंट होते हैं । सरदार प्रताप सिंह कैरों की हत्या का कारण भी यह रिपेयरिंग था । अगर इस काम में ज्यादा दिन न लगें और पंद्रह बीस दिन में या एक महीने में मुरम्मत हो जाया करे तो इन एक्सीडेंटस को रोका जा सकता है ।

श्री कानूनगो: यह भी एक पहलू है कि रास्ते चौड़े बनने चाहियें । लेकिन उसके लिए पैसे भी चाहियें ।

Shri Rameshwar Tantia: May I know how many accidents were recorded in 1964, how many of them were fatal and how they compare with 1963?

Shri Kanungo: The total number of fatal accidents was 267 and in 1963 it was 245.

श्री हुकम चन्द कछवाय : यहां आये दिन एक्सीडेंट होते रहते हैं और ये समाचार हम आए दिन अखबारों में पढ़ते रहते हैं। मैं जानना चाहता हूं कि इनको रोकने के लिए क्या सरकार ने कोई कठोर कदम या कोई ऐसी युक्ति निकालने की कोशिश की है कि ये तमाम एक्सीडेंट न हों ?

अध्यक्ष महोदय: जो स्टेटमेंट दी गई है उस में सब युक्तियां दी गई हैं। उन के अलावा कोई और सजैशन आप कर सकते हों तो करें।

श्री हुकम चन्द कछवाय: सरकार सुझाव मांगे तो हम देने को तैयार हैं।

अध्यक्ष महोदय: उन्होंने सब कुछ स्टेटमेंट में लिख दिया है, आपने उसको पढ़ा नहीं है शायद ।

Shri P. C. Borooah: In view of the increasing number of road accidents, may I know whether the Government has under contemplation the question of appointing a commission to enquire into the matter?

Shri Kanungo: Yes; a conference of engineers, traffic experts and traffic police is meeting some time this month.

श्री राम हरख यादव : क्या दिल्ली शहर में कोई मखसूस जगहें हैं जहां पर आम तौर से एक्सीडेंट हुआ करते हैं ? अगर हैं तो उन जगहों को खतरों से बचाने के लिए गवर्नमेंट कौन सी तरकीबें निकाल रही है ?

श्री कानूनगो : स्टेटमेंट में लिख दिया है ।

श्री सरजू पाण्डेय : स्टेटमेंट में यह बात लिखी हुई है कि दिल्ली में बहुत ज्यादा साइकल चलायी जाती हैं, यह भी एक एक्सीडेंट होने का कारण है। और कुछ ठेला गाड़ियां और बैल गाड़ियां भी है । क्या सरकार इन के ऊपर प्रतिबन्ध लगाने की कुछ बात सोच रही है?

श्री कानूनगो : साइकल वालों के लिए अलग रास्ते बनाने की कोशिश की जाती है ।

श्री भागवत झा आजाद : यहां के विदेशी दूतावासों को डिप्लोमैटिक इम्युनिटी मिली हुई है । क्या सरकार को मालूम है कि यहां पर अधिकांश एक्सीडेंट, काफी बड़ी संख्या में एक्सीडेंट, विदेशी राजदूतावासों की गाड़ियों के कारण ही होते हैं ? यदि हां तो क्या उनके सम्बन्ध में कोई भी कार्रवाई की जाती है या नहीं की जाती है ? जहां तक विदेशों का सम्बन्ध है वहां पर उनको यह इम्थुनिटी तो प्राप्त है लेकिन वहां पर कड़ी कार्रवाई की जाती है । मैं जानना चाहता हूं कि यहां पर क्यों उनको इस तरह से छोड़ दिया जाता है और कड़ी कार्रवाई नहीं की जाती है ?

श्री कानूनगो : डिप्लोमैटिक मिशंज की गाड़ियों के जो एक्सीडेंट होते हैं उस पर कार्रवाई के तौर पर उनको चेतावनी दी जाती है, उनको ड्राइवर तालीम वाले रखने को कहा जाता है और इस तरह की दूसरी बातें की जाती हैं ।

Shri C. K. Bhattacharyya: Has the Government considered any measure to check the cycles of Delhi which mostly go without light at night, without bell and perhaps without brakes too?

Shri Kanungo: Yes, Sir, the traffic police of Delhi has been strengthened; there is a Flying Squad in the traffic department and periodically they do check the cycles.

Co-operative Societies

\+

*1033. **Shri D. N. Tiwary:**
Shri Subodh Hansda:
Shri S. C. Samanta: